बाबर के आक्रमण के समय भारत की राजनीतिक स्थिति :-

बाबर के आक्रमण के समय भारत की राजनीतिक स्थिति अत्यन्त शोचनीय थी। भारत छोटे-छोटे राज्यों में बटा हुआ था और परस्पर झगड़ रहे थे। उत्तर भारत के प्रमुख छोटे राज्य थे - दिल्ली, पंजाब, बंगाल, जौनपुर मेवाड़ मालवा, गुजरात, कश्मीर, उड़ीसा आदि। दक्षिण भारत की भी यही स्थिति थी।

दिल्ली - सल्तनत काल में दिल्ली को उच्च दर्जा प्राप्त था। लेकिन विघटन के साथ ही इसने अपना पूर्व का दर्जा खो दिया। इब्राहिम लोदी अन्तिम लोदी सुल्तान था जिसे बाबर ने पानीपत के प्रथम युद्ध में परास्त किया।

पंजाब - पंजाब दिल्ली सल्तनत का एक सूबा था। लेकिन इब्राहिम लोदी के हठी व्यवहार के कारण दौलत खाँ लोदी ने स्वयं को स्वतंत्र घोषित कर दिया। उसके पुत्र दिलावर खाँ की लोदी सुल्तान ने काफी बेइज्जती की थी जिसको दौलत खाँ बर्दाश्त न कर सके और उसका दुश्मन हो गया। इस पर उसने बाबर को भारत पर आक्रमण करने के लिए आमंत्रित किया।

बंगाल - मोहम्मद तुगलक के शासन काल में 1338-39 ई० में बंगाल स्वतंत्र हो गया था और तभी से स्वतंत्र बना रहा। बाबर के आक्रमण के समय नुसरत-शाह यहाँ का शासक था।

जौनपुर - जौनपुर का शासक इब्राहिम लोदी का भाई जलाल खाँ था। जिस पर इब्राहिम लोदी का शक था इसलिए उसे मार दिया और नसीर खाँ लोहानी को अपना शासक स्वीकार किया और दिल्ली से संबंध तोड़ लिए। इसके साथ ही दरिया खाँ लोहानी ने बिहार को स्वतंत्र घोषित कर दिया।

Scanned with CamScanner